SABGURU NEWS

RNI TATLE CODE NO.RAJBIL27046

सबगुरु न्यूज़ डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक https://www.facebook.com/sabgurunews
वेबसाइट लिंक https://www.sabguru.com
यूट्यूब चैनल लिंक
https :// www. youtube .com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link: https :// www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

सम्पादक -विजय सिंह

मो. 9887907277 Email ID.subgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

24 घंटे समाचारों का अपडेट
QRCode स्कैन कर website पर visit करें

वर्ष 1 | अंक 1 प्रवेशांक | अजमेर, रविवार 25 जून 2023 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

सम्पादकीय

झुनझुने के बाद अब शहसवार की टेढ़ी चाल

विजय सिंह

समझ-समझ का फेर है इसी का नाम अजमेर है। अजमेर के बाशिंदों के

जेहन में यह उक्ति प्राण वायु की भांति उतरी हुई है। यही वजह है कि इस शरीफ शहर में राजनीति का गुणा-भाग करने वाले सफेदपोश नेताओं से लेकर गली कूचों में गुल्ली-डंडा खेलने वाली पैदलों की फौज भी खुद को असलाह खाने की बड़ी तोप से कम नहीं समझती।

इन दिनों शतरंज की बिसात पर बिछे अजमेर के राजनीतिक मोहरों में एक बेलगाम हुआ घोड़ा तेजी से दौड़ता हुआ रेस में सबसे अधिक भारी पड़ रहा है। ढाई घर की टेढ़ी चाल के बूते यह घोड़ा अब खुद को किसी राजा से कमतर नहीं आंक रहा। सत्ता के मद में चूर होकर बेलगाम दौड़ रहे इस घोड़े की दुल्लती भी दूध देने वाली गाय की तरह झेली जा रही है।

आलम यह है कि तथाकथित वजीरों के साथ पूरी सेना भी घोड़े से दहशत खाकर पलटवार करने की बजाय बयानों के तीर के जरिए समर्पण करती दिख रही है। पुष्कर के ब्रह्मा जी तो ठहरे जगत पिता। अपनी नगरी में बच्चों को श्लंगड़ी टांगश् खेलते देख खुश नहीं बल्कि हैरान हैं। एक मोहतरमा अपनी सल्तनत बचाने के लिए जंग में उतरी लेकिन अब शह और मात के खेल में उलझ गई। घोड़े की ढाई घर की चाल में वो ऐसी उलझी कि दाएं-बाएं और कोई सहारा देने वाला तक नसीब नहीं हो रहा।

इस स्मार्ट सिटी बन चुकी पृथ्वीराज चौहान की धरा को सुशोभित कर रहा आरटीडीसी अब वार रूम का रूप ले चुका है। इसके सर्वाधिकारी शहसवार की चाल की थाह लेने के लिए उत्तर और दक्षिण वालों भी नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। बीते तीन विधानसभा चुनावों से अजमेर शहर में हुकूमत कर रहे सियासी पिस्सुओं की मांद तक घोड़े की टाप की गूंज सुनाई पडने लगी है। दिन रात यही डर सता रहा है कि कहीं यह घोड़ा स्मार्ट सिटी को अस्तबल समझ कर यहीं ना ठहर जाए। इधर शहसवार की जुबान से अजमेर की आठों विधानसभा सीटों पर देश को आजादी दिलाने वाली पार्टी की जीत की भविष्यवाणी निकलते ही लगातार तीन जीत के बाद चौथी जीत का सपना संजोकर बैठी एक बहन जी और दूसरे भाई साहब की त्योरियां चढ गईं। डर और खौफके बीच बयानों के तीर तरकश से निकल पडे। दीगर बात यह है कि कथित शहसवार ना केवल विपक्षी पार्टी के नेताओं की गलफांस बने हैं बल्कि अपने ही दल में दंगल करवाने में भी कोई कोस कसर बाकी नहीं छोड़ रहे। ब्रह्माजी की नगरी से बोरी बिस्तर समेटने के बाद उन्हें ख्वाजा साहब की नगरी में अपना भविष्य उज्जवल नजर आ रहा है। टिकट मिलने से पहले ही टिल.टिल करवा दी है। सूत न कपास, जुलाहों में लठम लट्ठा चल रहा है। खैर शहसवार का क्या जीते तो जयकार हारे तो हरिद्वार। यहां नहीं तो कहीं और धुणी रमाने के लिए ठौर ठिकाना तलाश ही लेंगे। पीछे अकेले रह जाएंगे मरजीवड़े अपने घाव सुखाते हुए जैसे पहले झुनझुने के चक्कर में पड़ गए थे।

इंडियन ओवरसीज बैंक के आधार अपडेशन केन्द्र में अवैध वसूली उजागर

◆ बच्चों के फ्री बायोमेट्रिक अपडेशन के लिए वसूल रहे 100-100 रुपए
◆ राष्ट्रपति को भेजी शिकायत, बैंक प्रबंधन में मचा हड़कम्प

सन्तोष खाचरियावास

अजमेर। मदनगोपाल रोड केसरगंज स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक में आधार अपडेशन कराने आने वाले आमजन से अवैध वसूली का मामला सामने आया है। यहां आधार अपडेशन केन्द्र का ऑपरेटर बच्चों के फ्री बायोमेट्रिक अपडेशन की एवज में 100-100 रुपए वसूल रहा है। मामला राष्ट्रपति सचिवालय यूआईडीए आई और इंडियन ओवरसीज बैंक के सीईओ तक पहुंच चुका है। यूआईडीएआई ने जांच शुरू कर दी है।

यह मिली शिकायत

गत दिनों रामगंज निवासी सन्तोष कुमार नामक शख्स ने यूआईडीएआई को शिकायत भेजी। उसमें बताया कि उन्हें उनकी दो बच्चियों के फ्री बायोमेट्रिक अपडेशन के लिए यूआईडीएआई से एसएमएस मिले। 24 फरवरी 23 को इंडियन ओवरसीज बैंककेसरगंज अजमेर ;राजस्थान शाखा में दोनों बच्चियों का बायोमेट्रिक अपडेशन कराया जहां ऑपरेटर ने दोनों आधार के 200 रुपए शुल्क ले लिया। उसका कहना था कि यह फीस तो देनी होगी। परिवादी ने 200 रुपए का भुगतान किया और बदले में रसीद मांगी तो ऑपरेशन ने रसीद देने से इनकार कर दिया। इस पर परिवादी ने माननीय राष्ट्रपति के यहां शिकायत दर्ज कराई।

मची खलबली घर तक दौड़ा आया ऑपरेटर

शिकायतकर्ता सन्तोष कुमार ने बताया कि 29 मई को 8955622792 नम्बर से ऑपरेटर का फोन आया। उसने गलती से रुपए लेना स्वीकार करते हुए 200 रुपए लौटाने और मुझसे शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया। उसने मुझे व्हाट्सएप मैसेज किए जिनमें उसने अवैध रूप से 200 रुपए लेना स्वीकार किया। साथ ही अपने कम्प्यूटर डाटा का स्क्रीन शॉट भी भेजा। यह गोपनीय डाटा यूं लीक करना गम्भीर अपराध है। यह स्क्रीन शॉट भेजकर उसका कहना था कि आपसे लिस्ट में आपसे ऊपर वालों से पैसे लेने थे जो गलती से आप से ले लिए। इसके बाद वह मेरे घर रामगंज तक आ गया। यहां मैंने शिकायत वापस लेने से इनकार किया तो वह हाथ जोड़ने लगा। कहने लगाए मुझे मेरे अफसरों ने सभी से पैसे लेने के लिए कह रखा है। मुझे तो केवल कमीशन मिलता हैए वह भी पिछले लंबे समय से नहीं मिला है। हमारी मैडम भी मेरा फोन नहीं उठाती है। मैं सुरसुरा से बाइक से अपडाउन करता हूं। ऑपरेटर ने मुझे 1000 रुपए रिश्वत लेकर शिकायत वापस लेने का प्रलोभन भी दिया। बार-बार यही कहता रहा कि मुझे तो ऊपर वाले ही लोगों से पैसा लेने की कहते हैं। खुद मेरा कमीशन भी नहीं दे रहे हैं। इससे लगता है कि आमजन से अवैध वसूली करने वाला पूरा रैकेट सक्रिय है।

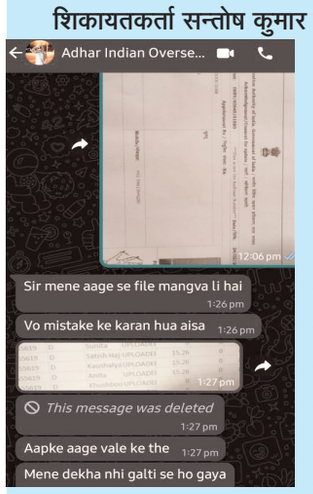

ऑपरेटर के वाट्सअप मैसेज का स्क्रीन शॉट।

आईओबी के सीईओ को भेजी शिकायत

शिकायतकर्ता सन्तोष कुमार ने इंडियन ओवरसीज बैंक के सीईओ को भी शिकायत भेजी है। उनका कहना है कि अगर बैंक परिसर में अवैध वसूली हो रही है तो स्थानीय प्रबंधन भी पूरी तरह से जिम्मेदार है। खास बात यह है कि बैंक प्रबंधन भी इस मामले को ऊपर की ऊपर निपटाने के लिए हाथ-पैर मार रहा है। बैंक प्रबंधन अपने कई परिचितों से शिकायतकर्ता पर दबाव बनाने के लिए लगातार फोन करा रहा है। मगर शिकायतकर्ता तस से मस नहीं हो रहा है। वह अपनी शिकायत वापस लेने को हर्गिज तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि केन्द्र सरकार की फ्री सुविधा का भी ये शातिर लोग पैसा चार्ज करते हैं, गरीब जनता के खून पसीने की कमाई छीनते हैं ऐसे लोगों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई होनी चाहिए। आधार केन्द्र का संचालन करने वाली फर्म पर पेनल्टी लगनी चाहिए और उसका लाइसेंस सस्पेंड होना चाहिए। तभी आमजनता के साथ न्याय होगा।

नसीराबाद : जब राष्ट्रपति ने बटालियनों को 'शौर्य गाथा' ध्वज प्रदान किए

नसीराबाद। आज से लगभग 58 साल पहले नसीराबाद की सैनिक छावनी में तत्कालीन राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन ग्रेनेडियर्स रेजीमेंट की नवगठित 4 नई बटालियनों को शौर्य गाथा ध्वज प्रदान किए। नसीराबाद के इतिहासकार विष्णु प्रकाश जिंदल ने नसीराबाद के गौरवमयी इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 28 दिसंबर 1964 को तत्कालीन राष्ट्रपति ने यह ध्वज बटालियन के जवानों को प्रदान किए।ध्वज प्रदान करने के अवसर पर राष्ट्रपति ने नई बटालियनों को संबोधित करते हुए रेजीमेंट की शौर्यमयी परंपरा की चर्चा की और बताया कि जिस प्रकार इस रेजीमेंट के जवानों और सरदारों ने नाथूला में अपने खून को बहाकर तथा जान देकर न केवल अपने शौर्यमयी परंपरा को कायम रखा बल्कि दुश्मनों को भी मुंह तोड़ जवाब दिया। जिंदल के अनुसार इस रेजिमेंट की स्थापना लगभग 244 वर्ष पूर्व सन 1778 में की गई थी इसके जवानों में तीन विक्टोरिया क्रॉसए परमवीर चक्र तथा 160 अन्य पदक वर्ष 1970 तक प्राप्त हो चुके थे।उल्लेखनीय है कि 20 अक्टूबर 1962 को हिंदी चीनी भाई भाई नारे के बीच चीन ने भारत की पीठ पर छुरा भोंककर हमला कर दिया तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के संसद में सर्वसम्मति प्रस्ताव पारित किए जाने के बावजूद भारत अपनी खोई हुई जमीन आज तक वापस नहीं ले पाया। चीनी आक्रमण के बाद सैनिकों की हौसला अफजाई के लिए देश की इस बड़ी छावनी में तत्कालीन राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन सैनिकों के बीच पधारे और उन्हें शौर्य गाथा ध्वज प्रदान कर हौसला अफजाई की।

अजमेर में बकरीद 29 जून को मनाई जाएगी

अजमेर। राजस्थान में बिपरजाय की बरसात के चलते गहरा बादलों में ईद का चांद नजर नहीं आया लेकिन देश के अनेकों हिस्सों से चांद के दीदार की पुष्टि होने के बाद अब अजमेर में भी बकरीद 29 जून गुरुवार को मनाई जाएगी। अजमेर में चांद की शाहादत के समाचार उत्तरप्रदेश के लखनऊ से पहुंचे। मंगलवार को ईस्लामिक कलैंडर के जिलहि'ज माह की पहली तारीख है और पहली तारीख से 10वें दिन ईद मनाए जाने की परम्परा हैन। ऐसे में ईद-उल-जुहा-बकरीद 29 जून को मनाया जाना तय हो गया है।

सावधान ! बारिश में अपनी गाड़ियों में पेट्रोल भरवाया तो हो सकती है मुसीबत

जयपुर। अगर आप भी बरसात के दिनों में अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरा रहे हैं तो सावधान रहें। हो सकता है आपकी कारए बाइक या स्कूटर के फ्यूल टैंक में पेट्रोल के साथ पानी चला जाएए या फिर आपके टैंक में पहले से मौजूद पेट्रोल ही पानी बन जाए। चौंकिए मत! मोदी है तो सब मुमकिन है। अजमेर सहित देशभर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं।मोदी सरकार ने एबीपी पॉलिसी के तहत सरकारी तेल कम्पनियों के लिए पेट्रोल के साथ 12 फीसदी एथोनॉल मिलाकर बेचने की बाध्यता लागू कर रखी है। बारिश के दिनों में आपने कई टू व्हीलर की पेट्रोल टंकी में पानी घुसने की समस्या देखी होगी। लोग मैकेनिकों के यहां अपनी गाड़ी ठीक कराते नजर आते हैं। लोग समझ नहीं पाते कि आखिरकार टंकी में पानी आया कहां से। कई वाहन चालक पेट्रोल पम्प संचालकों से झगड़ पड़ते हैं।दरअसल, एथोनॉल पानी में घुलनशील है। फ्यूल टंकी में जरा सा भी पानी या मॉइश्चर होने पर पूरा 12 प्रतिशत एथोनॉल पानी बन जाता है और गाड़ी चलते-चलते बंद हो जाती है।

कठुआ बलात्कार प्रकरण : हिन्दुओं को जम्मू से निकाल देने का षड्यंत्र

सबगुरु न्यूज

वर्ष 2018 में जम्मू के रसाना नामक छोटे से गांव में झूठे बलात्कार प्रकरण को कठुआ बलात्कार प्रकरण के नाम से जगभर में पहुंचाया गया। इस प्रकरण में षड्यंत्र रचकर हिन्दुओं को उसमें उलझाकर उन्हें बदनाम किया गया। देशभर के सेक्युलरवादी बॉलीवुड के अभिनेता एवं हिन्दू.विरोधियों ने इस प्रकरण का उपयोग जगभर में हिन्दुओं को बदनाम करने के लिए किया।हिन्दुओं ने पीडिता का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया और फिर उसकी हत्या कर दीए ऐसी पटकथा झूठे प्रमाणों का आधार तैयार कर उसका जगभर में प्रचार किया। इसके पीछे हिन्दुओं को बदनाम करने एवं कश्मीर के उपरांत अब जम्मू क्षेत्र से बाहर निकलने का एक नियोजनबद्ध षड्यंत्र था। यह आरोप दिल्ली की द गर्ल फ्रॉम कठुआ पुस्तक की लेखिका एवं मानुषी की संपादक मधु किश्वर ने लगाया। वे गोवा में फोंडा स्थित श्रीरामनाथ देवस्थान के वैश्विक हिन्दू राष्ट्र महोत्सव में कठुआ का सत्य इस विषय पर बोल रही थीं।उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकरण में हिन्दुओं पर गैंगरेप का आरोप लगाया गया था परंतु पोटमार्टम में बलात्कार होने का निष्कर्ष ही मान्य नहीं किया गया। संबंधित लडकी के सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या की गई ऐसा पुलिस जांच में दर्ज होते हुए भी शव विच्छेदन ब्योरे में कहीं भी खोपडी को चोट लगी होए ऐसा नहीं पाया गया। किसी भी अव्यस्क लडकी के बलात्कार प्रकरण में पीडिता की पहचान सार्वजनिक करना कानूनन अपराध है परंतु इस प्रकरण में पीडिता का छायाचित्र एवं नाम तक सोशल मीडिया के जरिए जानबूझकर सार्वजनिक किया गया। इस प्रकरण में जांच के नाम पर हिन्दू युवकों को प्रताडित किया गया। परिणामस्वरूप कठुआ के अनेक हिन्दू कुटुंबियों को स्थानांतरित होना पडा।

आगामी 5 साल में अरुणाचल के ईसाई धर्मांतर की समस्या समाप्त करेंगे:-वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश में स्थिति इतनी गंभीर है कि वहां प्रत्येक कुटुंब का कम से कम एक सदस्य तो धर्मांतरित है। इस समस्या से निबटने के लिए हमने एक उपाय निकाला है वह यह कि जो हिन्दू व्यक्ति अन्य धर्मों के व्यक्ति से विवाह करेगाए उसे हिन्दू कुटुंब की संपत्ति नहीं मिलेगी और उसे बच्चे भी स्वयं ही संभालने होंगे। इस कारण इस समस्या पर कुछ मात्रा में अंकुश लगा है। अरुणाचल प्रदेश में हम हिन्दू संगठित होने से अगले 5 वर्षों में अरुणाचल प्रदेश में ईसाई धर्मांतर की समस्या समाप्त करेंगेए ऐसा दृढ विश्वास अरुणाचल प्रदेश बांस संसाधन एवं विकास एजन्सी के उपाध्यक्ष कुरु ताई ने व्यक्त किया।

माउंट आबू में ईडी की एंट्री हुई तो ये आईएएस अधिकारी भी आ सकते जांच की जद में!

जयपुर/सिरोही। सिरोही जिले के आबूरोड में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने उनके सलाहकार संयम लोढ़ा ने माउंट आबू के उपखंड अधिकारियों द्वारा उन्हें मिली एब्सोल्यूट पावर का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। एकाधिकार मिलने का दुरुपयोग करना अब माउंट आबू के उपखंड अधिकारियों को भारी पड़ सकता है।भाजपा सांसद किरोड़ीलाल मीणा के द्वारा माउंट आबू के लिंबडी कोठी में कथित रूप से मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत पर प्रदेश में 4 होटलों में मनी लांड्रिंग के जरिए निवेश करने का आरोप लगाने और इसका परिवाद प्रवर्तन निदेशालय की देने के बाद माउंट आबू में भी ईडी की एंट्री हो सकती है। अपनी पत्रकार वार्ता में जिन चार होटल समूहों में मनी लांड्रिंग का पैसा निवेश करने का आरोप किरोड़ीलाल मीणा ने लगाया है उसमें माउंट आबू की लिमंडी पैलेस ;लिंबडी कोठीद्ध होटल भी शामिल थी।

दस्तावेजों की जांच में हुई तो खुलेगी कइयों की भूमिका:-अगर किरोड़ीलाल मीणा के परिवाद पर ईडी संज्ञान लेती है और माउंट आबू की लिंबड़ी कोठी प्रकरण की जांच करती है तो फिर इसकी जांच के दस्तावेजों के लिए माउन्ट आबू भी आना पड़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो माउंट आबू में निर्माण के लिए एकाधिकार प्राप्त उपखंड आधिकारी कार्यालय से दस्तावेजों को जुटाने के लिए एनफोर्समेंट डिपार्टमेंट यहां भी पहुंच सकता है। ऐसे में निर्माण इजाजत में हुए भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए जो दस्तावेज यहां के उपखंड आधिकारी सूचना के अधिकारी के तहत छिपा रहे थे वो भी बाहर आ सकते हैं।

अगर ईडी मीना को गंभीरता से नहीं लेती तो जो जैसे चल रहा है वैसा चलेगा ही।इस दौरान माउंट आबू के उपखंड आधिकारी के पद पर कार्यरत डॉक्टर रविंद्र गोस्वामी, गौरव सैनी, अभिषेक सुराणा, कनिष्क कटारिया के साथ हाल में स्थानांतरित हुए एडीएम राहुल जैन ने भी लिंबडी कोठी के लिए निर्माण सामग्री जारी की है तो वो भी इस जांच और पूछताछ की जद में आ सकते हैं। इसके आलावा कथित रूप से जुगलकिशोर जाखड़ के हस्तक्षेप से माउंट आबू नगर पालिका में आयुक्त लगे आशुतोष आचार्य, कार्यवाहक आयुक्त गौरव सैनी, जितेन्द्र व्यास, रामकिशोर, कार्यवाहक आयुक्त कनिष्क कटारिया, शिवपाल सिंह राजपुरोहित की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है।सूत्रों के अनुसार ये सब लोग सीधे सीधे जयपुर के अधिकारीयों के निर्देशन में काम करते रहे और एक रणनीति के तहत सारे आधिकार किसी समिति की बजाय उपखंड अधिकारियों को ही दे दिए गए ऐसे में मॉनिटरिंग कमेटी के सचिव के रूप में काम करने वाले जिला कलेक्टरों के गले बच गए हैं।यूं एक समाचार पत्र ने गौरव सैनी और कनिष्क कटारिया को उन आइएएस अधिकारीयों की श्रेणी में रखा है जो जनता में विश्वास नहीं जमा पाए हैं। माउंट आबू में इनके कार्यकाल में ये सामने आया कि इनके फील्ड पोस्टिंग में रहने पर जनता के बीच गहलोत सरकार के जनविरोधी होने का संदेश पहुंचा। शायद इसी कारण इन्हे कम समय में ही हटाया गया हो। माउंट आबू में कांग्रेस नेता की ऑडियो वायरल होने की घटना वहां के उपखंड अधिकारी गौरव सैनी की उस चेतावनी के बाद की है जिसमे वो कहते हैं कि समय पड़ने पर वो माउंट आबू बोर्ड की हरकतों को सामने लाएंगे।गौरव सैनी ही वो उपखंड अधिकारी हैं जिन्होंने कार्यवाहक आयुक्त रहते हुए माउंट आबू में मख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा लागू किए गए बिल्डिंग बायलॉज को अटकाया था। इन्होंने डीलबी को एक पत्र लिखकर सालों बाद शुरु होने वाली भवन निर्माण समिति की बैठक में अडंगा लगाया था। वहीं कनिष्क कटारिया ने कार्यवाहक आयुक्त रहते हुए मख्यमंत्री के सलाहकार संयम लोढ़ा के द्वारा जारी करवाए गए एस 2 जोन के इंप्लीमेंटेशन को अटकाए रखा। कॉन्ग्रेस और भाजपा दोनों ये आरोप लगाती रही है कि इन दोनो के चलाए कागजों की वजह से ही माउंट आबू को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशानुसार राहत नहीं मिल रही है।

राजनीतिक मुद्दा न बना तो भ्रष्टाचार का मुद्दा बनेगा

मनी लांड्रिंग के प्रकरण में केस दर्ज होने पर केन्द्रीय जांच एजेंसी को राजस्थान में हस्तक्षेप करने का मौका मिल जाएगा। ऐसे में लिंबड़ी कोठी का किरोड़ीलाल मीना के आरोप के अनुसार यदि इस मामले में बद्रीराम जाखड़ के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से तार जोड़ने हैं तो माउंट आबू उपखंड अधिकारी और नगर पालिका कार्यालय भी जांच के दायरे में आएंगे।वहां से दस्तावेज निकले तो माउंट आबू के अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में तैनात उपखंड अधिकारियों और नगर परिषद् आयुक्तों के कार्यकाल के दस्तावेजों की जांच भी होगी। ऐसे में यहां निर्माण और मरम्मत की अनुमति देने में बरती गई अनियमितता भ्रष्टाचार और भेदभाव के कई दस्तावेज सामने आने से इनकार नही किया जा सकता है।ऐसे में ये मुद्दा खुद के हित के लिए जनता के हित को दरकिनार करने के अशोक गहलोत सरकार की कार्य प्रणाली भी उजागर करेंगे। इतना ही नही इसमें ऐसे कई धन्ना सेठों के भी ईडी के दायरे में आने से इनकार नही किया जा सकता जिन पर मांउट आबू में होटल और बंगलो के निर्माण के लिए वैध और अवैध तरीके से धन उड़ाने का आरोप लगता रहा है।

नियम पालते तो बच सकते थे उपखण्ड आधिकारी

माउंट आबू में निर्माण मरम्मत की अनुमति देने के लिए 2015 में मॉनिटरिंग कमिटी ने उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में एक उप समिति का गठन किया था। निर्माण और मरम्मत की अनुमति इसी उप समिति को देनी थी। इस उप समिति में माउंट आबू के उपवन संरक्षक के साथ मुख्य मोनिटरिंग कमिटी के स्थाई और अस्थाई सदस्य भी शामिल थेए लेकिन माउंट आबू के उपखंड अधिकारियों ने इस उपसमिति को दरकिनार करके एकाधिकार जमाते हुए बिना उपवन संरक्षक और अन्य सदस्यों की बैठक के मनमर्जी से निर्माण सामग्रियां जारी करते रहे।

सबगुरु न्यूज की आरटीआई का नहीं मिला जवाब

यही नहीं कनिष्क कटारिया ने तो इस उप समिति की बैठकों के एजेंडे और प्रस्तावों के संबध में मांगी गई सबगुरु न्यूज की आरटीआई का 6 महीने तक जवाब नहीं दिया। जब इसकी अपील जिला कलेक्टर के पास की गई तो स्थानान्तरण से एकाध दिन पहले इस कारण से इसकी जानकारी देने से मना कर दिया कि ये थर्ड पार्टी सूचना है। जबकि अपील अधिकारी जिला कलेक्टर ने ये सूचना देने के निर्देश दिए थे।अब समिति की बैठकें किस तरह से थर्ड पार्टी सूचना हुई ये समझ से परे है।

ये सूचनाएं छिपाना इस बात की ओर इशारा है कि माउंट आबू के उपखंड अधिकारी निर्माण और मरम्मत की आड़ में किसी बड़ी अनियमितता को छिपाने की कोशिश कर रहे थे। संभवतः वो अनियमितता लिंबडी कोठी और कांग्रेस की वर्तमान सरकार के संरक्षण में हुए अनियमित निर्माणों की हो।

समय की सल्तनत का गवाह

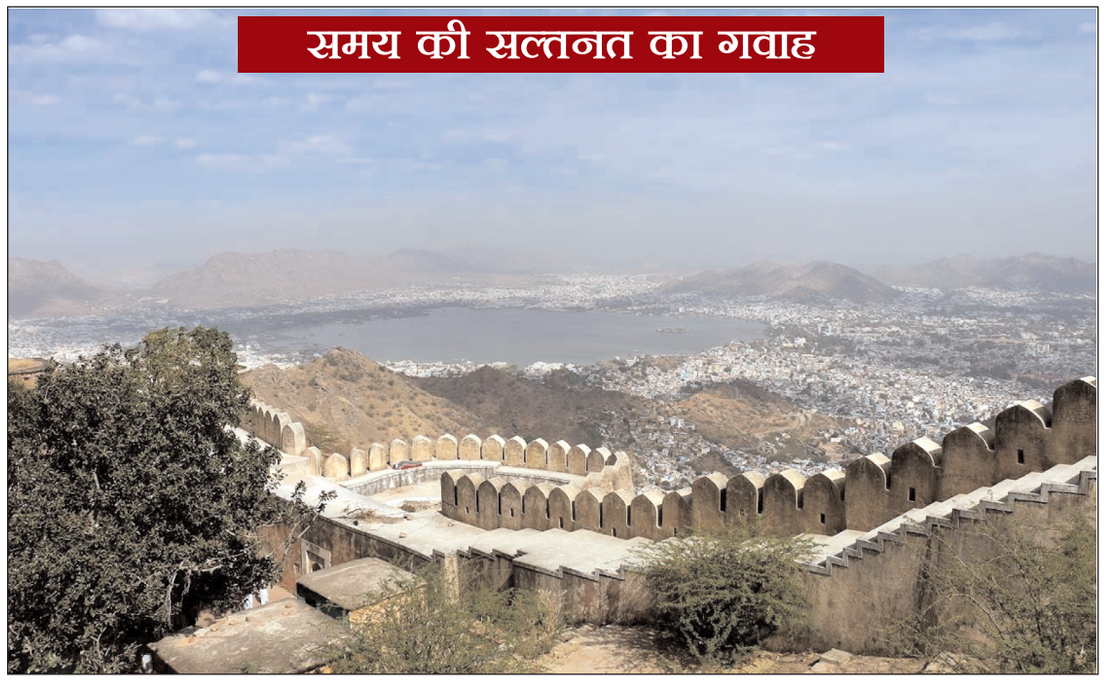

उतार.चढ़ाव हर दौर की सच्चाई है और इस सच की मिसाल है ऐतिहासिक अजयमेरु जो कई दौर देखने के बाद अब स्मार्ट सिटी का नया दौर देख रहा है। इतिहास के पन्ने से वर्तमान में झांकते शहर की खूबसूरत तस्वीर खींची है फोटो जर्नलिस्ट आनन्द शर्मा ने।

विद्या बालन की फिल्म नीयत का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन की आने वाली फिल्म नीयत का टीजर रिलीज हो गया है। अनु मेनन द्वारा निर्देशित फिल्म नीयत में विद्या बालन जासूस मीरा राव के रोल में नजर आएंगी। जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करती देखी जाएंगी। फिल्म नीयत का टीजर रिलीज हो गया है।

विद्या बालन ने फिल्म का टीजर शेयर किया जिसकी शुरुआत एक आवाज के साथ होती है। टीजर के वॉइसओवर में कहा जाता है संदिग्ध आ रहे हैं मकसद बन रहे हैं तैयार हो जाओ दोस्तों एक सीक्रेट आ रह है। नीयत फिल्म की शूटिंग यूके में की गई है। इस फिल्म में विद्या बालन के अलावा राम कपूर और राहुल बोस की भी अहम भूमिका है। फिल्म नीयत 07 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजस्थान में 50000 युवा महात्मा गांधी सेवा प्रेरकों की होगी नियुक्ति

जयपुर। राजस्थान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शांति एवं सदभाव का संदेश घर.घर पहुंचाने के लिए प्रदेश के 50 हजार युवा महात्मा गांधी सेवा प्रेरक बनाए जाएंगे। ये प्रेरक लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराने के साथ महात्मा गांधी पुस्तकालय एवं संविधान केंद्रों का संचालन भी करेंगे।मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महात्मा गांधी सेवा प्रेरकों की चयन प्रक्रिया एवं नियमों के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। प्रेरकों को प्रतिमाह 4500 रुपए मानदेय मिलेगा। इनकी ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर नियुक्ति होगी।

प्रेरकों की योग्यता और कार्यकालः-आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 12वीं अथवा समकक्ष रखी गई है। इसमें महात्मा गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर के प्रमाण पत्र धारक, स्काउट गाइड, एनसीसी प्रमाण पत्र धारक,सुरक्षा सखी मित्र,पूर्व बजट घोषणा में चयनित महात्मा गांधी सेवा प्रेरक एवं महिला एसएचजी को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए आयु न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 50 वर्ष होनी चाहिए। इनका कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा। प्रत्येक जिले में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चयन प्रक्रिया के नोडल अधिकारी होंगे। चयन के लिए उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाएगा। जिला स्तर पर जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति प्रेरकों का अन्तिम अनुमोदन कर चयनितों की सूची शांति एवं अंहिसा निदेशालय को भेजेगी।चयनित प्रेरकों को गांधी दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रेरकों की ऑनलाइन उपस्थिति मॉनिटरिंग एवं भुगतान की कार्यवाही सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के सॉफ्टवेयर से की जाएगी।

GE, HAL ink deal to build fighter jet engines

In a major boost for Indian defence industry, General Electric (GE) and Hindustan Aeronautics Limited (HAL) signed a Memorandum of Understanding (MoU) to co produce F414 engines for Indian Air Force.These engines will be used for indigenous Tejas fighetr jets. This deal has been signed in the backdrop of PM Narendra Modi's three state visit to United States of America (USA).

Its to be noted that GE Aerosapce is operating in India for more than four decades. With this deal, F414 engines will be used for indigenously build Light Combat Aircraft (LCA) Tejas. In addition to this, GE will continue to work on the AMCA Mk2 Engine programme.

योग दिवस की स्थापना

योग मन और शरीर पर कार्य करने के अलावा मानवीय संबंधों को भी संतुलन व मजबूती प्रदान करता

संयुक्त राष्ट्र ने इस साल के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की जो थीम रखी है, वह है- मानवता के लिए योग। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि योग मन और शरीर पर कार्य करने के अलावा मानवीय संबंधों को भी संतुलन व मजबूती प्रदान करता है। इसके बहुत स्पष्ट मायने हैं कि योग सिर्फ शरीर के भीतर ही संतुलन को नहीं साधता बल्कि यह दुनियावी रिश्तों में भी एक खास तरह का संतुलन प्रदान करता है। इसलिए योग से ये उम्मीदें बांधी गई हैं कि इसके व्यापक प्रचार, प्रसार से दुनिया में रिश्तों का संतुलन मजबूत होगा और अविश्वास तथा आपसी वैमनस्य घटेगा। संयुक्त राष्ट्र चाहता है कि योग की प्रासंगिकता और उसका उपयोग मानवता को मजबूत करने के लिए हो।27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को लेकर जो एक सारगर्भित भाषण दिया था उसकी नींव ही वैश्विक कल्याण पर टिकी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से दुनिया को यह बताने की कोशिश की

थी कि योग में दुनिया के कल्याण की भावनाएं और क्षमताएं निहित हैं। शायद इसीलिए संयुक्त राष्ट्र इस साल प्रधानमंत्री मोदी के उसी आह्वान पर अपनी थीम केंद्रित किया है कि अब तन और मन ही नहीं, मानवता को भी योग मजबूती प्रदान करे।

जगत की भलाई के लिए ही योग दिवस का आह्वान किया गया था। भारत के इस आह्वान पर साल 2014 में संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्य देशों ने हमारे इस आह्वान को समर्थन दिया था। तभी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना हुई और इस मौके पर हर साल किसी केंद्रीय विषय पर योग के प्रभावों और योगदान को आत्मसात करने का सिलसिला शुरू हुआ। तभी से हर साल योग दिवस के लिए एक थीम या केंद्रीय विचार चुना जाता है और उस पर मंथन होता है। साल 2023 के लिए यह केंद्रीय विचार, मानवता के लिए योग इसी परंपरा से निकला है। इसका उद्देश्य योग की समग्र प्रकृति के बारे में चेतना फैलाना है । संयुक्त राष्ट्र मानता है कि योग मन और शरीर पर जो सकारात्मक असर डालता है, वही सकारात्मक असर दुनिया के विभिन्न देशों के बीच उनके आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए भी डाल सकता है। आज की तारीख में पूरी दुनिया के उथल पुथल की वजह है लोगों के बीच जबरदस्त अविश्वास। यह अविश्वास महज व्यक्तिगत रूप से लोगों के बीच ही नहीं है बल्कि विभिन्न देशों के बीच भी आपस में इसी तरह का अविश्वास है। संयुक्त राष्ट्र चाहता है कि यह मानसिकता बदले।

यह अकारण नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र बार बार जोर देकर कह रहा है कि जिस तरह से योग इंसान की आत्मशक्ति को मजबूत करता है, जिस तरह से योग इंसान के अंदर अपनी ताकत के लिए एक संतुलन बनाता है, उसी तरह का संतुलन दुनिया के विभिन्न देशों के आपसी रिश्तों में भी होना चाहिए। साल 2023 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की यह थीम निश्चित रूप से बहुत कुछ सोचने के लिए बाध्य करती है और कामना करती है कि योग की महाविद्या मानवता को मजबूत करे।

आज योग एक वैश्विक परिघटना का रूप ले चुका है। हर दिन सुबह 300 मिलियन यानी 30 करोड़ से भी ज्यादा लोग योगाभ्यास करते हैं। तन मन की फिटनेस से संबंधित दुनिया की कोई भी दूसरी ऐसी गतिविधि नहीं है, जिसे एक साथ हर दिन इतने लोग करते हों। अकेले अमरीका में ही 3 करोड़ 60 लाख लोग नियमित योगी हैं। हर गुजरते दिन के साथ योग की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। साल 2002-03 में जहां योग का कुल वैश्विक कारोबार महज 3 बिलियन डॉलर का था, वह आज बढ़कर 63 बिलियन डॉलर हो चुका है और विशेषज्ञों की मानें तो 2027 तक यह बढ़कर 66.23 बिलियन डॉलर हो जायेगा। आज दुनिया में भारत की कई मजबूत पहचानों में से एक योग गुरु की पहचान भी है। दुनिया में जितने भी योगा ट्रेनर हैं, उनमें से 60 फीसदी से ज्यादा अकेले हिंदुस्तान के हैं। अकेले अमरीका और यूरोप में ही 3 लाख से ज्यादा हिंदुस्तानी योगा गुरु योग ज्ञान का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। आजतक दुनिया के किसी भी कार्यक्रम को इतनी बड़ी और एक साथ सफलता नहीं मिली। पहले योग दिवस पर 84 देशों में योग को लेकर विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सबगुरु न्यूज के प्रवेशांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम HP

स्वास्तिक मोटर्स

एच.पी पेट्रोल पंप

आगरा गेट के पास जयपुर रोड अजमेर

मोबाइल . 9414004687

डीलर पार्टनर राजेश अंबानी

सन् 1958 से आज तक ग्राहकों का भरोसा

ईमानदारी हमारी पहचान

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम HP

श्रीबालाजी फ्यूल्स

एच.पी. पेट्रोल पंप

बाघसुरी गांव मसूदा रोड नसीराबाद

मोबाइल - 9887907277, 9414534529

डीलर - बबिता टांक

सेवा का मौका देवें

आपका विश्वास ही हमारी पूंजी

1 नंबर पेट्रोल पंप, 1 नंबर फ्यूल

SHM

FOLLOW US

SHREE HARI MARBLE
SHRI HARI GRANI MARMO

A HOUSE OF QUALITY MARBLE,GRANITE & TILES

Ph.: 0141-2352789
Mob.: 9828060720
E-mail : advocatesunil32@yahoo.com

SUNIL KUMAR JAIN

Advocate

RAJASTHAN HIGH COURT

Resi.:	Office :	Chamber :
P.No. 74, Nityanand Nagar-A Queen's Road Jaipur	B-47, Shiv Hari Apartment S.S.B. Nagar, Opp. Metro Pillar-98, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur	Chamber No.32 'B' Block,Rajasthan High Court, Jaipur

Mob.: 9414534529

नोटरी पब्लिक
श्रीमती बबीता टांक

एडवोकेट

(भारत सरकार द्वारा नियुक्त)

राजस्थान उच्च न्यायालय

राजस्व मण्डल, अजमेर

6/12, बी-ब्लॉक, पंचशील कॉलोनी, अजमेर-305001 (राज.)

रामकिशन Ph. 0145-2425989

श्री प्रिया मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर

चुंगी चौकी के पास

शास्त्री नगर, अजमेर (राज.)

सभी प्रकार की दवाईयाँ मिलती है

सम्पर्क सूत्र : नीलिमा मैरिज ब्यूरो, पंचशील, अजमेर 9829223245(M)

सम्पर्क सूत्र : श्री प्रिया एड एजेन्सी 9314392262(M)

नाथूलाल 98298 68473

बसंत कुमार 96029 23483

गणपति स्टील हाऊस

स्टील रेलिंग, काँच की बालकॉनी, सिढ़ियों में काँच की रेलिंग ग्रिल, वूडन पिलर में रेलिंग, किचन ट्रोली का कार्य किया जाता है।

स्टील पाईप के होलसेल विक्रेता

ऊँटड़ा रोड़ के सामने, महेश नगर के बाहर, अजमेर रोड़

मदनगंज-किशनगढ़ 305801 (जिला-अजमेर) राज.

E-mail : nathulalmalakar@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजयसिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड, अजमेर 305001 से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजयसिंह मो. 9887907277